इकाई प्रश्न पत्र 2

1. उस शब्द को चुनिए, जो पर्यायवाची परिवार से बाहर है।

आभूषण – गहना	☐	चूड़ियाँ	☑	अलंकार	☐
अनुचर – दास	☐	नौकर	☐	चारण	☑
कोयल – पक्षी	☑	पिक	☐	कोकिल	☐

2. विलोम शब्द के गलत जोड़े पहचानिए।

अपव्यय – मितव्यय	☐	आकर्षण – विकर्षण	☐
आवरण – अनाचरण	☑	अपेक्षा – सापेक्षता	☑

3. वाक्य बनाकर अर्थ में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(क) **पाप** – धर्म के विरुद्ध

(ख) **अपराध** – कानून के विरुद्ध

(ग) **अस्त्र** – फेंका जाने वाला हथियार

(घ) **शस्त्र** – हाथ में पकड़कर चलाने वाला हथियार

(ङ) **दुख** – किसी शोक में दुखी

(च) **खेद** – पश्चाताप से भरा दुख

4. वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।

(क) जो करने योग्य न हो = अयोग्य

(ख) व्याकरण जानने वाला = वैयाकरण

(ग) जो नया आया हो = नवागत

5. निम्नलिखित प्रत्ययों के योग से दो-दो शब्द बनाइए।

(क) आक	तैराक	खतरनाक
(ख) अक्कड़	भुलक्कड़	पियक्कड़
(ग) अक	धावक	पालक

6. विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(क) प्रत्येक	हर एक	अव्ययीभाव समास
(ख) देशनिकाला	देश से निकाला	तत्पुरुष
(ग) विद्याधन	विद्या रूपी धन	कर्मधारय

7. संधि कीजिए और संधि का भेद भी लिखिए।

(क)	जगत् + नाथ	जगन्नाथ	व्यंजन संधि
(ख)	वाक् + ईश	वागीश	व्यंजन संधि
(ग)	गण + ईश	गणेश	गुण संधि

8. वाक्य शुद्ध कर पुनः लिखिए।

(क) दही जम गई है।

दही जम गया है।

(ख) मेरे पास तेरे को देने के लिए कुछ है।

मेरे पास तुम्हें देने के लिए कुछ है।

(ग) मुझे अमरूद का फल अच्छा लगता है।

मुझे अमरूद अच्छा लगता है।

9. पद और पदबंध में उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट कीजिए।

भाषा की सबसे छोटी इकाई 'वर्ण' है और वर्णों के संयोग से शब्द बनता है। शब्द वाक्य में प्रयोग होने पर 'पद' बन जाता है। कई बार एक से अधिक पद मिलकर एक ही पद का काम करते हैं। ऐसे पद समूहों को पदबंध का नाम दिया जाता है अर्थात एक से अधिक पद मिलकर एक व्याकरण इकाई का काम करते हैं, तो वह पदबंध कहलाता है। पदबंध का अर्थ है किसी पद और उस के साथ बँधे हुए अन्य पद।

10. निम्नलिखित में अलंकार पहचानिए व नाम लिखिए।

(क) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल–थल में **अनुप्रास अलंकार**

(ख) फूल–सी कोमल हमारी भावनाएँ **उपमा अलंकार**

(ग) पेड़ मानो आसमान से बातें कर रहे हैं **उत्प्रेक्षा अलंकार**

11. वाच्य किसे कहते हैं? हिंदी में कितने प्रकार के वाच्य माने जाते हैं? प्रत्येक का एक-एक उदाहरण दीजिए।

वाक्य में क्रिया का विषय बताने वाला रूप वाच्य कहलाता है। वाच्य तीन प्रकार के होते हैं–

1. **कर्तृवाच्य–** इसमें कर्ता की प्रधानता होती है। जैसे– कविता सोती है।
2. **कर्मवाच्य–** जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है, उनकी क्रिया का वाच्य कर्मवाच्य कहलाता है। जैसे– रोहित ने ककड़ी खाई।

3. **भाववाच्य–** जिन वाक्यों में कर्ता और कर्म दोनों में से कोई प्रधान न हो बल्कि भाव और विचार की प्रधानता हो, तो क्रिया का वाच्य भाववाच्य कहलाता है। जैसे– बच्चों से चिल्लाया जाता है।

12. क्रियाविशेषण के भेदों के लिए एक-एक उदाहरण दीजिए।

(क) कालवाचक – सुबह, कल

(ख) स्थानवाचक – यहाँ, ऊपर

(ग) परिमाणवाचक – थोड़ा, तनिक

(घ) रीतिवाचक – धीरे-धीरे